

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4446

बुधवार, 30 मार्च, 2022 को उत्तर देने के लिए

निगरानी उपग्रह ईओएस-04

4446. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री रवि किशन:
श्री सुब्रत पाठक:
श्री मनोज तिवारी:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हाल ही में अपने निगरानी उपग्रह ईओएस-04 और दो छोटे उपग्रहों को कक्षा में प्रक्षेपित किया है;
- (ख) यदि हां, तो ऐसे उपग्रहों के प्रक्षेपण के उद्देश्य और लक्ष्य क्या हैं;
- (ग) क्या वांछित उद्देश्यों/लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) उक्त उपग्रहों को कितने दिनों में बनाया गया है और इस तरह के उपग्रह के विकास पर कुल कितना व्यय हुआ है और इस प्रक्षेपण की लागत कितनी है;
- (ङ) क्या इसरो ने ईओएस-04 के साथ कुछ अन्य देशों के उपग्रहों को भी प्रक्षेपित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (च) वर्तमान वर्ष के दौरान इसरो द्वारा प्रक्षेपित किए जाने वाले उपग्रहों की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) एवं (ख)

जी हां, इसरो ने सहयात्रियों के रूप में आई एन एस-2 टी डी एवं इंस्पायर्सएट-1 के साथ दिनांक 14 फरवरी, 2022 को पी एस एल वी-सी 52 द्वारा सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से भारतीय मानक समयानुसार 05:59 बजे पृथ्वी अवलोकन उपग्रह

ई ओ एस-4 का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया है। इन उपग्रहों को 524.84 कि.मी. की ऊंचाई पर ध्रुवीय सूर्य तुल्यकाली कक्षा में अंतःक्षेपित किया गया।

ई ओ एस-4 कृषि, आपदा प्रबंधन, जल संसाधन एवं वानिकी के क्षेत्रों में अनुप्रयोगों के लिए 5.4 गीगा हर्ट्ज आवृत्ति पर सी-बैंड में प्रचालित पृथ्वी के अवलोकन हेतु एक संश्लिष्ट द्वारक राडार (एस ए आर) प्रतिबिंबन उपग्रह है।

आई एन एस-2 टी डी कक्षीय निष्पादन हेतु स्वदेशी रूप में विकसित नेनो प्रणालियों के प्रदर्शन के लिए अभिप्रेत दूसरी पीढ़ी के नेनो-उपग्रहों का पहला उपग्रह है।

इंस्पायर्सऐट-1 भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई एस टी), तिरुवनंतपुरम, भारत तथा लेबोरेटरी ऑफ स्पेस फिजिक्स, कोलोरेडो विश्वविद्यालय, बोल्डर, यू एस ए द्वारा आयनमंडल गतिकी एवं सूर्य के प्रभामंडलीय तापन प्रक्रिया के अध्ययन हेतु संयुक्त रूप में विकसित 9 यू वर्ग का एक छात्र उपग्रह है।

- (ग) वर्तमान में, उपग्रहों पर विभिन्न कक्षीय परीक्षण और अंशांकन किए जा रहे हैं। तत्पश्चात, उपग्रहों से उपलब्ध आँकड़ों का उपयोग निर्दिष्ट मिशन कालावधि के दौरान, मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए किया जाएगा।
- (घ) वित्तीय स्वीकृति के पश्चात उपग्रह की प्राप्ति में लगा कुल समय 63 महीना है और उपग्रह की प्राप्ति हेतु हुआ कुल व्यय लगभग 490 करोड़ रुपये है।
- (ङ) जी, नहीं।
- (च) वर्तमान वर्ष के दौरान इसरो द्वारा 7 उपग्रहों को प्रक्षेपित किए जाने की संभावना है।
